B.Ed. Ist year

Subject :- Teaching of Social Science

Topic :- हिडन (अदृश्य) पाठ्यक्रम

:-> हिडन पाठ्यक्रम के कार्य

हिडन पाठ्यक्रम के कार्यों को निम्नलिखित रूप मे समझ सकते है।

1. हिडन पाठ्यक्रम अपने छात्रो के साथ ज्ञान प्रदान करने का बहुत बड़ा कार्य करता है। यह असमानता को बढ़ावा देता है। उसे प्रोन्नत करता है। यह असमानता कक्षा मे और सामाजिक स्थिति मे भिन्नता पैदा करके नकारात्मक गूढ़ार्थ के रूप मे जगाता है।

2. हिडन पाठ्यक्रम विद्यालय की प्रभावशीलता की सीमाएं निर्धारित कर देता है और यह सीमा निर्धारण असमान वितरण के फलस्वरूप होता है।

3. हिडन पाठ्यवस्तु को शिक्षा का एक रूप (form) माना है, यह स्कूल की प्रभावशीलता को असमान वितरण के परिणाम के रूप मे प्रोन्नत करता है।

4. सामाजिक नियन्त्रण के साधन के रूप मे हिडन पाठ्यक्रम एक सामाजिक स्वीकृति को आगे बढ़ाता है। आगे प्रोन्नति के लिए वह किसी कारण अथवा प्रभाव को नही समझता है।

P.T.O.

5 एलिजाबेथ वेलेंस के अनुसार हिडन पाठ्यक्रम में निम्नलिखित कार्य सम्मिलित किये जाते है। – मूल्यो का प्रभाव, राजनैतिक समाजीकरण, आज्ञापालन का प्रशिक्षण, परम्परागत वर्ग की स्थिरता, संरचना कार्य जो सामान्यतः सामाजिक नियन्त्रण के रूप में है।

हिडन पाठ्यक्रम के सिद्धान्त

हिडन पाठ्यक्रम से सम्बन्धित तीन सिद्धान्तो का विकास हुआ है, जो हेनरी जिराक्स और एन्थनी पेना के निम्नलिखित रूप में स्पष्ट किया है।

1. विद्यालय का संरचना-कार्यात्मक दृष्टिकोण – इसके अन्तर्गत यह स्पष्ट किया जाता है कि स्कूल में मानकों और मूल्यो को किस प्रकार से प्रदान किया जाता है, और उनकी आवश्यकताएं किस प्रकार से समाज के कार्यों में बिना किसी विवाद के स्वीकार की जाती है।

2. नये शिक्षा के समाजशास्त्र से सम्बन्धित अदभुत दृष्टिकोण – यह दृष्टिकोण स्पष्ट करता है कि अर्थ का निर्माण परिस्थितिवश विरोध और अन्तः क्रिया के कारण होता है, और यह समस्या है कि ज्ञान का अर्थ कोई उद्देश्य की पूर्ति है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3. शिक्षा के सिद्धान्त एवं अभ्यास का नव मार्क्सवादी विश्लेषण के समरूप मौलिक आलोचनात्मक दृष्टिकोण -

यह सिद्धान्त आर्थिक और सांस्कृतिक पुनः उत्पादन और दबाव के मध्य सम्बन्धो को स्पष्ट करता है और यह भी स्पष्ट करता है कि सिद्धान्त (theory) विचारधारा (Ideology) और अधिगम का सामाजिक अभ्यास के मध्य क्या सम्बन्ध है।

अतः हिडन पाठ्यक्रम अपने आप मे (अदृश्य, Hidden) ही है। क्योकि यह अक्सर अज्ञात होता है और छिपा हुआ होता है। इसकी कोई परीक्षा छात्रो के द्वारा और समुदाय के द्वारा नही ली जाती है। फिर भी इनका योगदान अनावश्यक व्यवहार और परिणाम के प्रति स्पष्ट है। अतः हिडन पाठ्यक्रम इस मान्यता पर आधारित है कि छात्र विद्यालय मे इसका पाठ ग्रहण करते है। इस प्रकार हिडन पाठ्यक्रम बिना बोले ऐकेडेमिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश देता है और छात्र जब स्कूल मे होते है तब उन्हे यह सम्प्रेषित करता है। हिडन पाठ्यक्रम स्कूल के द्वारा पढ़ाया जाता है। ~~किसी~~ शिक्षक के द्वारा नही।

"छात्र इसे विद्यालय मे रहते हुए अनुभव द्वारा सीखते है न कि संस्था द्वारा निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यो की प्राप्ति करके।" – माइकल एन॰ एराल्पमबोस के अनुसार"।

Thankyou

by
Mr. Parveen Raj
Asst Pro.
B.R.C. Deoband (SRE)

Scanned with CamScanner